Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

APF–2133

M.A. (Final) Examination, 2022

PHILOSOPHY

Paper – VI, VII, VIII (iii)

(Buddhism)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ)

1. (i) Rūpa Skandha

   रूप स्कंध

   (ii) Pravritti Vignāna

   प्रवृत्ति विज्ञान

   (iii) Pramān Samplava

   प्रमाण सम्प्लव

   (iv) Samvritti Satya

   संवृत्ति सत्य

   (v) Svalakshan

   स्वलक्षण

   (vi) Trividha Satya

   त्रिविध सत्य

   (vii) Pratitya Samutpāda

   प्रतीत्य समुत्पाद

   (viii) Shunyata

   शून्यता

   (ix) Arthakriyakaritva

   अर्थक्रियाकारित्व

   (x) Pramāna

   प्रमाण

Section–B

(खण्ड–ब)

2. Explain the theory of subjective idealism of Vasubandhu.

   वसुबन्धु के व्यक्तिनिष्ठ विज्ञानवाद को समझाइए।

3. Why perception is characterized as 'Kalpana Podhaun' according to Nyāyabindu ?

   न्यायबिन्दु के अनुसार प्रत्यक्ष की विशेषता 'कल्पनापोढ' क्यों कहा गया है ?

4. Explain Trirūp Hetu.

त्रिरूप हेतु को समझाइए।

5. Explain the Nagarjuna's concept of two truths.

नागार्जुन के द्विविध सत्यों के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

6. Expound Dharmkirti's theory of Inference.

धर्मकीर्ति के अनुमान शास्त्र की विवेचना कीजिए।

7. Evaluate the dialectical method by Nagarjuna.

नागार्जुन के द्वन्द्व-न्याय का मूल्यांकन कीजिए।

8. How are Svalakshan is different from Samānyalakshan.

स्वलक्षण सामान्य लक्षण से भिन्न कैसे है ?

Section–C

(खण्ड–स)

9. How does Nagarjuna critique of doctrine of Svatah Utpatti and Paratah Utpatti ?

स्वत: उत्पत्ति एवं परत: उत्पत्ति के सिद्धान्त का नागार्जुन कैसे खण्डन करते हैं ?

10. How does Vasubandhu show that our working experience is like a dream experience ? Examine and evaluate.

वसुबन्धु कैसे प्रदर्शित करते हैं कि हमारा जागृत अनुभव स्वप्निक अनुभव के सदृश ही है ? परीक्षण एवं मूल्यांकन कीजिए।

11. Explain the definition and its types of perception according to Dharmkirti.

धर्मकीर्ति के अनुसार प्रत्यक्ष की परिभाषा एवं उसके प्रकारों की विवेचना कीजिए।

12. Explain the concept of Sansār and Nirvān records to Vasubandhu.

वसुबन्धु के अनुसार संसार व निर्वाण के सम्प्रत्यय की विवेचना कीजिए।